मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 121, मुंबई, शुक्रवार, 25 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए

MM MITHAIWALA

गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ

पार्सल

zomato SWIGGY amazon.in Flipkart

Order on WhatsApp +91 98208 99501

www.mmmithaiwala.com

H/EAST WARD में मालवणी जैसे हादसे का इंतजार कर रही हैं अलका ससाने

कितने बेकसूरों की जान जाने के बाद नींद से जागेंगी अलका ससाने

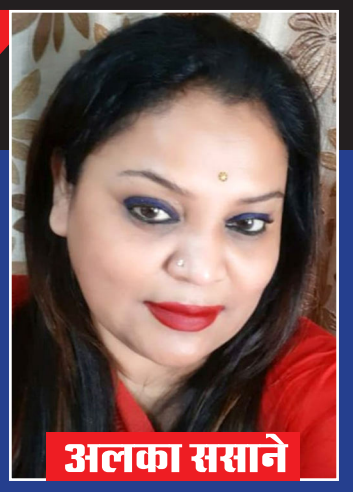

अलका ससाने

मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल जी से अपील है कि इस अवैध निर्माण को जल्द से जल्द से रोका जाये, नहीं तो खार बांद्रा, मालवणी के तरह यहां पर भी हादसा हो सकता है और हजारों बेगुनाहों की जान भी जा सकती है, मनपा अधिकारी अलका ससाने पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें और जहां पर भी इमारत गिरे उस वार्ड ऑफिसर पर हत्या का केस लगाकर एफआईआर दर्ज करें

दै. मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। अलका ससाने के देखरेख में अवैध निर्माण करने वालों को कानून का कोई डर नहीं अवैध निर्माण करने वाले बना रहे हैं मुंबई मनपा का मजाक और मनपा अधिकारी दिखावे की कार्रवाई कर अवैध निर्माण करने वालों का कर रहे हैं समर्थन। कुछ दिनों पहले H/East वार्ड के अंतर्गत बांद्रा पूर्व में अवैध निर्माण गिरने से एक युवक की जान गई थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अवैध निर्माण व मासूमों की जान का जिम्मेदार कौन?

2

1

3

ए/83 कासम दूधवाला तबेला नवपाड़ा बांद्रा पूर्व में हुये अवैध निर्माण की तस्वीर

H/East वार्ड के अंतर्गत अलका ससाने के देखरेख में ए/83 कासम दूधवाला तबेला नवपाड़ा बांद्रा पूर्व में 5 मंजिला बिल्डिंग का हुआ अवैध निर्माण

H/East वार्ड में अवैध निर्माण करने वालों को खुली छूट देकर मनपा को बदनाम करने का काम कर रहीं हैं अलका ससाने

अलका ससाने व उनके अधिकारी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ देते हैं लॉलीपॉप, इनका लॉलीपॉप अवैध निर्माण करने वालों के हौंसलों को करता है बुलंद

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

डेल्टा प्लस से खतरा

भारत में कोरोना की तीसरी लहर का खतरा दरवाजे खटखटाने लगा है। यह न केवल सजगता, बल्कि संकट से उबरने के लिए ज्यादा ईमानदार कदम उठाने का समय है। शुरूआती आंकड़े बताते हैं कि कोरोना के डेल्टा प्लस वेरिएंट के देश में अब तक 40 मामले मिल चुके हैं। महाराष्ट्र में चिंता सर्वाधिक है। महाराष्ट्र में कोविड कार्यबल का कहना है कि अभी इसे लेकर चिंता करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं मिल पाए हैं। यह चिंता वाली बात है। अव्वल तो कोरोना के किसी भी मामले को गणना से वंचित नहीं रहने देना चाहिए और शुरूआती रूप से बहुत खतरनाक बताए जा रहे डेल्टा प्लस के मामलों के प्रति तो और सजग रहने की जरूरत है। एक-एक मामला दर्ज होना चाहिए, ताकि उसकी निगरानी व इलाज में सुविधा हो। इस वेरिएंट को फैलने से रोकने के लिए यह जरूरी है कि रोगी को फौरन क्वारंटीन किया जाए, ताकि उसके इलाज और उस पर होने वाले चिकित्सकीय शोध से सुनिश्चित लाभ मिले और इस वेरिएंट को फैलने से रोका जा सके। ध्यान रहे, डेल्टा वेरिएंट को हम शुरू में रोकने में नाकाम रहे और इसने देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। डेल्टा प्लस के समय में हमें वही गलती दोहराने से बचना चाहिए। महाराष्ट्र के कोविड-19 कार्यबल के सदस्य डॉक्टर शशांक जोशी ने उचित ही चेताया है कि लोगों को कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने, मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और टीका लगवाने की जरूरत है। लेकिन आज यह बड़ा सवाल है कि क्या लोग दिशा-निर्देशों की पालना कर रहे हैं? कितने लोग मास्क पहन रहे हैं? क्या टीका लगाने या लगवाने में तेजी आई है? यह बहुत अफसोस की बात है कि हम तीसरी लहर की आशंका के बावजूद उतने सतर्क नहीं हैं, जितना हमें होना चाहिए। अत्यधिक संक्रामक माने जा रहे डेल्टा प्लस के 21 मामले अकेले महाराष्ट्र में मिले हैं। सर्वाधिक नौ मामले रत्नागिरि जिले में हैं, जबकि दो मामले मुंबई में। चूंकि महाराष्ट्र व्यावसायिक रूप से देश का नेतृत्व करने वाला राज्य है, इसलिए उसका देश के सभी राज्यों से भरपूर जुड़ाव है। अतः मुंबई और महाराष्ट्र में ही अगर इस वेरिएंट को रोकने की कवायद ईमानदारी से की गई, तो इस वेरिएंट को बेकाबू होने से रोका जा सकेगा। आधिकारिक रूप से मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में भी डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले सामने आ चुके हैं। क्या इन राज्यों में सतर्कता बढ़ी है? क्या दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो रहा है? लोगों को लगातार जागरूक करते रहना होगा। सबसे जरूरी है कि चिकित्सक सावधान और तैयार रहें। अभी इस वेरिएंट के ज्यादा खतरनाक होने की चर्चा की जा रही है, पर यह कितना खतरनाक होगा, अभी चिकित्सक स्पष्ट नहीं बता रहे हैं। संक्रमित लोगों के आंकड़ों के अध्ययन से ही इस वेरिएंट की गंभीरता का अंदाजा लगेगा। विशेषज्ञ जल्दी से जल्दी इसकी गंभीरता का ठोस पता लगाएं और बचाव व इलाज पर पूरी मुस्तैदी से जोर दिया जाए, तो हम तीसरी लहर को खतरनाक बनने से रोक सकेंगे। कोरोना वायरस का डेल्टा प्लस स्वरूप भारत के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, जापान, पोलैंड, नेपाल, चीन और रूस में भी मिला है। हमारे देश के डॉक्टरों को यह जरूर देखना होगा कि ये देश कैसे मुकाबला कर रहे हैं।

कश्मीर में उम्मीद की खिड़की !

अगर कश्मीर की पार्टियां इतिहास की धारा मोड़ने का प्रयास करेंगी तो इससे न तो देश का भला होना है और न प्रदेश का। इसलिए जरूरी है कि पार्टियां अनुच्छेद 370 की बहाली की जिद छोड़ें। उन्हें इस बात को समझना चाहिए कि कश्मीरियत की रक्षा अनुच्छेद 370 की मोहताज नहीं है। जैसे देश के अनेक राज्यों की अपनी विशिष्ट पहचान है, अलग भाषा-संस्कृति, खान-पान, रस्म-रिवाज हैं और बिना किसी खास संवैधानिक प्रावधान के उन राज्यों की विशिष्ट अस्मिता बची हुई है। राजनीति में कुछ भी संभव है। अभी थोड़े दिन पहले तक जम्मू कश्मीर के जो नेता जेल में बंद रखे गए थे या जिनको उनके घरों में नजरबंद रखा गया था वे सब 24 जून को प्रधानमंत्री के साथ बैठ कर वार्ता करेंगे। जिन नेताओं को शांति के लिए खतरा मान कर जेल में बंद किया गया था उनके साथ प्रधानमंत्री लोकतंत्र की बहाली और स्थायी शांति जैसे मसलों पर बातचीत करेंगे। ऐसी उलटबांसी भारतीय राजनीति में होती रहती है। फिर भी भारत सरकार की ओर से की गई पहल उम्मीद की एक खिड़की खुलने जैसी है। पिछले करीब ढाई साल से जम्मू कश्मीर में विधानसभा नहीं है। करीब दो साल पहले राज्य का विशेष दर्जा खत्म कर दिया गया था और इसे दो हिस्सों में बांट कर दो केंद्र शासित प्रदेश बना दिए गए थे। तभी से केंद्र सरकार कह रही है कि वह जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और लोककंत्र की बहाली के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री के साथ होने वाली बैठक उस प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में उठा पहला कदम साबित हो सकता है।

इसके लिए दोनों पक्षों को बिल्कुल खुले दिल और दिमाग से बातचीत करनी होगी। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो की सेना लौट रही है और उनकी वापसी से पहले ही तालिबान की गतिविधियां तेज हो गई हैं। अमेरिका तालिबान के साथ वार्ता करके उसे सरकार में हिस्सेदारी दिलाने का प्रयास कर रहा है और उम्मीद कर रहा है कि इससे शांति बहाल

होगी। यह अमेरिका की गलतफहमी है। यह मांस की रखवाली गिद्ध को सौंपने जैसा है। तालिबान ने अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। उसने कहा है कि उसका मकसद अफगानिस्तान में इस्लामी कानून बहाल करना है। यह महिलाओं, बच्चों और दूसरे नागरिकों के मानवाधिकार पर बड़े हमले की तरह है। लेकिन उससे ज्यादा भारत को इस बात की चिंता होनी चाहिए कि अफगानिस्तान में तालिबान के बेलगाम होने का बड़ा असर जम्मू कश्मीर पर पड़ेगा। राज्य में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में जम्मू कश्मीर के लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए लोकतंत्र की बहाली अनिवार्य है। केंद्र सरकार इस बात को समझ रही है। लेकिन राज्यों की पार्टियों को इसे केंद्र की मजबूरी नहीं मानना चाहिए।

अगर प्रदेश की पार्टियां यह मान रही हैं कि भारत के ऊपर किसी किस्म का अंतरराष्ट्रीय दबाव है या अफगानिस्तान के घटनाक्रम की वजह से भारत सरकार चिंता में है और इसलिए वह प्रादेशिक पार्टियों की हर उलटी-सीधी मांग को मान कर कोई समझौता करेगी, तो यह उनकी गलतफहमी है। उन्हें भारत सरकार को आजमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्हें इस मौके का अधिकतम फायदा उठाने का प्रयास करना चाहिए। अधिकतम फायदे का मतलब यह है कि बिना किसी टकराव के परिसीमन का काम पूरा हो, विधानसभा के चुनाव हों, लोकतांत्रिक सरकार बहाल हो और विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहे। अगर कश्मीर की पार्टियां इतिहास की धारा मोड़ने का प्रयास करेंगी तो इससे न तो देश का भला होना है और न प्रदेश का। इसलिए जरूरी है कि पार्टियां अनुच्छेद 370 की बहाली की जिद छोड़ें। उन्हें इस बात को समझना चाहिए कि कश्मीरियत की रक्षा अनुच्छेद 370 की मोहताज नहीं है। जैसे देश के अनेक राज्यों की अपनी विशिष्ट पहचान है, अलग भाषा-संस्कृति, खान-पान, रस्म-रिवाज हैं और बिना किसी खास संवैधानिक प्रावधान के उन राज्यों की विशिष्ट अस्मिता बची हुई है। प्रधानमंत्री की बुलाई बैठक में शामिल होने के लिए पीपुल्स एलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन यानी गुपकर एलायंस की बैठक के बाद पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भारत ने तालिबान से वार्ता की है तो पाकिस्तान से बात क्यों नहीं हो सकती है? सवाल है कि महबूबा मुफ्ती पाकिस्तान से क्या वार्ता चाहती हैं? उन्हें भारत सरकार से बातचीत से पहले पाकिस्तान से वार्ता बहाली का ख्याल क्यों आया? पाकिस्तान से भारत को इतनी ही बात करनी है कि वह सीमा पार से भारत के खिलाफ चलने वाली आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगाए और 2003 की संघर्षविराम संधि का पूर्णता के साथ पालन करे। इसके अलावा अगर कोई बात होनी है तो वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की आजादी की बात है। इसके अलावा तो पाकिस्तान से और कोई बात नहीं होनी है! महबूबा मुफ्ती की इसमें से किस मुद्दे पर पाकिस्तान से बातचीत में दिलचस्पी है? या उनके दिमाग में कोई और बात है, जिस पर वे पाकिस्तान से बात करना चाहती हैं? उनकी ज्यादा से ज्यादा स्वायत्तता की मांग हो सकती है लेकिन उसमें भी पाकिस्तान की क्या भूमिका है? स्वायत्तता की मांग भी उनको भारत सरकार से ही करनी है, फिर वे पाकिस्तान से भारत की वार्ता कराने में क्यों दिलचस्पी ले रही हैं? वे तो अपनी बात करें, परिसीमन की बात करें, चुनाव की बात करें, लोकतंत्र और सरकार बहाली की बात करें, बाकी कूटनीति और सीमा विवाद को सुलझाने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर छोड़ें। जिस तरह से केंद्र सरकार की इस पहल को सफल बनाने के लिए राज्यों की पार्टियों से लचीला और खुला रुख अख्तियार करने की उम्मीद की जा रही है वैसी ही उम्मीद केंद्र सरकार से भी है।

भाजपा-विरोधी 'राष्ट्रमंच' की नाकामी

तृणमूल कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने पहल की और अपने ह्यराष्ट्रमंचह्ण की ओर से देश के राजनीतिक दलों की एक बैठक बुलाई। विपक्षी दलों की इस बैठक की हफ्ते भर से अखबारों में बड़ी चर्चा हो रही थी। कहा जा रहा था कि सारे विपक्षी दलों का जबर्दस्त गठबंधन खड़ा किया जाएगा, जो अगले आम चुनाव में नरेंद्र मोदी और भाजपा को चित्त कर देगा लेकिन हुआ क्या ? खोदा पहाड़ और उसमें से चुहिया भी नहीं निकली। चुहिया भी नहीं निकली, यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि बैठक के बाद इसके प्रवक्ता ने एकदम शीर्षासन की मुद्रा धारण कर ली। उसने सबसे बड़ी बात यह कही कि यह बैठक उन्होंने वैकल्पिक सरकार बनाने के हिसाब से नहीं बुलाई थी और इसका लक्ष्य भाजपा सरकार का विरोध करना नहीं है। यदि ऐसा ही था तो फिर इसे क्यों बुलाया गया था? इसमें सभी छोटी-मोटी पार्टियों को तो बुलाया गया था लेकिन भाजपा को आयोजक लोग कैसे भूल गए? भाजपा को इसमें क्यों नहीं बुलाया गया? देश की स्थिति सुधारने में क्या

उसका कोई योगदान नहीं हो सकता है? क्या वह इस लायक भी नहीं कि राष्ट्रमंच के महान नेताओं को वह अपने कुछ रचनात्मक सुझाव दे सके? देश के इस सत्तारुढ़ दल की उपेक्षा तो स्वाभाविक थी ही लेकिन सबसे बड़ा आश्चर्य यह रहा कि इस जमावड़े में देश का सबसे प्रमुख विरोधी दल भी शामिल नहीं हुआ। कांग्रेस के पांच नेताओं को निमंत्रण भेजे गए लेकिन पांचों ने ही लिख दिया कि वे अति व्यस्त हैं। उनसे पूछिए कि वे काहे में व्यस्त थे? क्या मां-बेटे की खुशामद में व्यस्त थे? नहीं, वे जानते थे कि उस बैठक में भाग लेने का कोई मतलब नहीं है। देश की दोनों प्रमुख अखिल भारतीय पार्टियों का कोई मामूली नेता भी इस बैठक में नहीं था। जिन आठ पार्टियों के नेता इसमें शामिल हुए, वे प्रांतों में सिकुड़ी हुई हैं और वे नेता भी कोई बड़े नेता नहीं माने जाते, हालांकि उनमें कई बड़े समझदार लोग भी हैं। दूसरे शब्दों में राजनीतिक दृष्टि से यह समागम महत्वहीन बनकर रह गया लेकिन इसमें संतोष का विषय यही है कि इस बैठक में लगभग आधा दर्जन ऐसे बुद्धिजीवी उपस्थित थे, जिनकी मुखरता, स्पष्टवादिता और मोदी-विरोधी छवि सुविख्यात है। इन सज्जनों का अपना बौद्धिक और नैतिक महत्व है लेकिन इनकी बड़ी खूबी यह है कि ये पार्षद का चुनाव भी अपने दम पर नहीं जीत सकते। दूसरे शब्दों में वैकल्पिक राजनीतिक गठबंधन खड़ा करने की दृष्टि से यह प्रकल्प नाकाम सिद्ध हो गया है। वैकल्पिक प्रकल्प तभी सफल हो सकता है, जबकि उसके पास भाजपा से बेहतर घोषणा पत्र हो और मोदी से उच्चतर छवि का कोई नेता हो। इन दोनों के अभाव में ऐसे जबानी जमा-खर्च होते रहेंगे और भाजपा दनदनाती रहेगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

तंजानिया का व्यक्ति 50 लाख रुपये मूल्य की कोकीन के साथ गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने तंजानिया के एक व्यक्ति को कथित तौर पर 205 ग्राम कोकिन के साथ उपनगर खार से गिरफ्तार किया। इसकी कीमत 50 लाख रुपये बताई गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एएनएसी की बांद्रा इकाई ने निको पिअस जॉन (60) को लिंकिंग रोड पर गश्त के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी की गतिविधि

को संदिग्ध पाया और जांच करने पर उसके थैले से मादक पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी कीमत 51.25 लाख रुपये है। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि जॉन दक्षिणी मुंबई और पश्चिम उपनगर में अमीर ग्राहकों को कोकीन बेचता था। वहीं एएनसी को यह भी शक है कि आरोपी का संबंध अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ गिरोह से हो सकता है। आरोपी पहले भी मादक पदार्थ के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है।

बाई पास के गांव देवी से सम्राट नगर जाने वाले रास्ते पर मिली एक युवक की लाश

मृतक अशफाक मुश्ताक शेख

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। सोमवार 21 जून रात 8 बजे मुंब्रा पुलिस को सूचना मिली की एक युवक की लाश गॉव देवी रास्ता पर पड़ी है। लाश की सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस घटनास्थल पर पहुँचकर लाश का पंचनामा किया। लाश की शिनाखत अशफाक मुश्ताक शेख वर्ष 18 रहिवासी वसीम अपार्टमेंट बाजार रोड बॉबे कॉलनी मुंब्रा हुई है, मृतक कीं लाश को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार अशफाक के सर पर कंधों पर चोट के निशान पास में पड़ा लोखंड के पत्रे के निशान अशफाक के बदन पर गया उसके आधार पर पुलिस ने एडीआर का मामला दर्ज किया है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि किन कारणों से अशफाक की मौत हुई हैं। सूत्रों द्वारा मिलीं जानकारी के अनुसार सोमवार 21 जून कि सुबह अशफाक अपने दोस्त के घर गया था वह वहां से कब लौटा बाई पास के पास गाँव देवी रास्ता से सम्राट नगर जाने वाले खतरनाक रास्ते से क्यों जा रहा था, अशफाक के परिवार वाले असमंजस में हैं कि यह दुर्घटना है यह उसके साथ कुछ हुआ है फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि किन कारणों से अशफाक की मौत हुई हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

क्या एक पत्नी जिसका पति कुष्ठ रोग से पीड़ित है तलाक का आधार हो सकता है?

आमतौर पर, आधुनिक भारत हिंदू विवाह अधिनियम 1955 में, तलाक मुख्य रूप से दोष सिद्धांत पर आधारित था। इस सिद्धांत में तलाक लेने के लिए पति और पत्नी के लिए हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1) के अनुसार तलाक के 9 आधार शामिल हैं। लेकिन उपरोक्त प्रश्न में क्या कुष्ठ रोग तलाक का आधार है, इस प्रश्न का उत्तर है नहीं, वर्ष 2018 से पहले कुष्ठ रोग तलाक का आधार था, लेकिन वर्ष 2018 में राज्य सभा द्वारा विधेयक पारित किया गया जिसने व्यक्ति कानूनों में संशोधन किया है। साथ ही हिंदू विवाह अधिनियम 1955। संशोधित विधेयक ने कुष्ठ रोग को तलाक के आधार के रूप में समाप्त कर दिया है, क्योंकि कुष्ठ रोग एक इलाज योग्य रोग हो सकता है। इसलिए अब से यदि कोई व्यक्ति कुष्ठ रोग के आधार पर तलाक लेने का इच्छुक है, तो उसे तलाक देने का आदेश पारित करने के लिए अदालत से कुछ बाधाएं मिल सकती हैं।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

मालवानी में 16 वर्षीय लड़की ने की आत्महत्या

मुंबई। यहां मालवानी इलाके में बृहस्पतिवार को 16 वर्षीय एक किशोरी ने अपने घर में कथित तौर पर खुद को पंखे से लटका कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर में राठोड़ी क्षेत्र में लड़की अपने घर में पंखे से लड़की हुई मिली। अधिकारी ने कहा कि घटना के समय लड़की का परिवार घर से बाहर गया था। उन्होंने कहा कि लड़की की छोटी बहन ने बार-बार दरवाजा खटखटाया जिसके बावजूद लड़की से दरवाजा नहीं खोला, इसके बाद उसने परिवार को खबर दी। अधिकारी ने कहा कि आत्महत्या के कारण का पता अभी नहीं चल पाया है और लड़की ने इससे पहले भी ऐसा प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

अधिक संक्रमण दर वाले सात जिलों में जांच और टीकाकरण बढ़ाएं: ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने स्वास्थ्य अधिकारियों से राज्य के उन सात जिलों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा जहां कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तुलनात्मक रूप से अधिक सामने आ रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि ऐसे जिलों में जांच और टीकाकरण की संख्या बढ़ाई जाए। ठाकरे ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रतिबंधों में ढील देने में जल्दबाजी नहीं की जानी चाहिए और वायरस के प्रसार को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को लापरवाही नहीं करनी चाहिए। रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सतारा, सांगली, कोल्हापुर और हिंगोली जिले में संक्रमण के अधिक मामले सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इन जिलों के जिलाधिकारियों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग को संक्रमण की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर सभी जिलों में ऑक्सीजन बिस्तर, आईसीयू बिस्तर और फील्ड अस्पताल स्थापित करने की योजना बनानी चाहिए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

H/East वार्ड में मालवणी जैसे हादसे का इंतजार कर रही हैं अलका ससाने

वार्ड ऑफिसर अलका ससाने के कानों तक खबर आने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, इस बात से मनपा की कार्यप्रणाली पर शक करना गलत नहीं होगा। H/East वार्ड के अंतर्गत कई अवैध निर्माण जोरों शोरों से पनप रहे हैं जो मनपा के ऊपर बहुत बड़ा दाग है। एक जवान युवक की हादसे में मौत हो जाती है कई लोग घायल हो जाते हैं फिर भी मनपा चुप है, चुप रहने की कुछ तो वजह होगी, एक महिला अधिकारी अलका ससाने कार्रवाई करने में आसमर्थ है, इस बात से यह मालूम पड़ता है की अवैध निर्माण करने वालों की ताकत महिला अधिकारियों से अधिक है। अगर महिला अधिकारियों के देखरेख में अवैध निर्माण पनप रहा है तो मनपा के बड़े अधिकारियों को अलका ससाने के ऊपर भी जांच करवानी चाहिए। बांद्रा पूर्व में अवैध निर्माण होते हैं अवैध निर्माणों से हादसे होते हैं क्षमता से अधिक लोड़ होने के कारण अवैध निर्माण गिर जाते हैं, बेकसूर की जान चली जाती है और मनपा अधिकारी सिर्फ तमाशा देखते हैं कोई कार्रवाई नहीं कर पाते। इन सभी बातों को समझा जाए तो साबित होता है कि मनपा अधिकारी कहीं ना कहीं अवैध निर्माण करने वालों के साथ सांठगांठ में बंधे हुए हैं। बांद्रा पूर्व में ए/83 कासम दूधवाला तबेला नवपाड़ा बांद्रा पूर्व में 5 मंजिला अवैध निर्माण बिल्डिंग का काम जोरों शोरों में H/East वार्ड के अंतर्गत अलका ससाने के देखरेख में शुरू है। दिखावे की कार्रवाई करते हुए कलम 351, 354, 349, 377, 347 ए,बी,सी लॉलीपॉप दिखाते हुए की जा रही है। अलका ससाने व उनके अधिकारी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ लॉलीपॉप दे रहे हैं। इनका लॉलीपॉप अवैध निर्माण करने वालों की ताकत बन रहा है। अलका ससाने की कार्यप्रणाली को देखते हुए लगता है कि एक जवान युवक की मृत्यु से इनकी आंखों में जूं तक नहीं रेंगी है, जब तक कुछ और मासूम लोगों की जान नहीं जाएगी तब तक मनपा H/East वार्ड कोई कार्रवाई नहीं करेगा। **दैनिक मुंबई हलचल की टीम से बात करने पर अलका ससाने सिर्फ दिखावे की कार्यवाही कर रही है और खुद को ईमानदार अधिकारी साबित करने की कोशिश कर रही है।** जब हमारी टीम ने अलका ससाने से बात की उसके बाद हमारे ऑफिस में H/Eas वार्ड से फोन आने शुरू हुए और हमें बताने लगे कि हम लोग कार्रवाई कर रहे हैं अगर H/East इतने ही इमानदारी से कार्यवाही कर रहा है तो 488 के तहत कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है। जो कार्रवाई H/East वार्ड अवैध निर्माण करने वालों के ऊपर कर रहा है वह कार्रवाई सिर्फ अपने बचाव के लिए कर रहा है जिसका समाज के प्रति गलत संदेश जाता है। **दैनिक मुंबई हलचल सच्चाई आम जनता के सामने रखना चाहता है अलका ससाने जैसे अधिकारी मनपा को खून व बदनामी के दाग देकर अपनी छवि अच्छी कैसे बना सकते हैं।** अवैध निर्माण करने वालों के साथ साथ अलका ससाने जैसी अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए जो अवैध निर्माण को खुली छूट देकर मनपा व सरकार दोनों का नाम खराब कर रहे हैं।

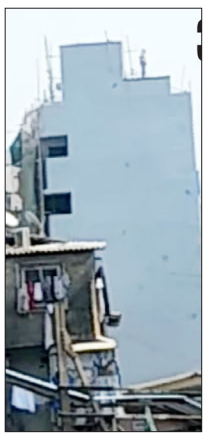

कोरोना के डेल्टा+ ने बढ़ाई चिंता

देश में अब तक 40 मामले सामने आए

■ नई दिल्ली / संवाददाता

कोरोना के डेल्टा प्लस वेरिएंट ने अब चिंता बढ़ानी शुरू कर दी है। दूसरी लहर में वायरस के डेल्टा वेरिएंट ने तबाही मचाई थी। अब इसके डेल्टा प्लस वेरिएंट को लेकर डर सताने लगा है। ऐसी सुगबुगाहट है कि देश में तीसरी लहर इस वेरिएंट के चलते आ सकती है। अब तक इसके लगभग 40 केस सामने आ चुके हैं।

अब तक आए मामलों में सर्वाधिक महाराष्ट्र में हैं। मेडिकल विशेषज्ञों का कहना है कि डेल्टा प्लस 'वेरिएंट ऑफ कंसर्न हैं। फिलहाल, डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले सिर्फ तीन राज्यों केरल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ही नहीं हैं ये दूसरे राज्यों में भी पाए जा रहे हैं लेकिन वे बिखरे हुए तरीके से पाए जा रहे हैं। अभी तक महाराष्ट्र में 21, मध्य प्रदेश में 6, केरल में 3, तमिलनाडु में 3 और आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक और पंजाब में 1-1 मरीज मिले हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की है कि महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश में ही 'डेल्टा प्लस' स्वरूप (वेरिएंट) के लगभग 40 मामले सामने आ चुके हैं। इसे 'चिंताजनक स्वरूप' (वीओसी) के रूप में वर्गीकृत किया है। मंत्रालय ने बताया कि डेल्टा के अलावा डेल्टा प्लस समेत डेल्टा के सभी उप-वंशों को वीओसी की श्रेणी में रखा गया है।

दोनों वैक्सीन हैं असरदार

एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि डेल्टा प्लस वेरिएंट को वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट की श्रेणी में रखा गया है। भारत की दोनों वैक्सीन कोवैक्सीन और कोविशील्ड, डेल्टा वेरिएंट पर असरदार हैं। रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी लेट आई है लेकिन अभी कोविशील्ड और कोवैक्सीन पर पाया गया कि दोनों वैक्सीन डेल्टा वेरियंट पर असरदार है।

मुंबई पुलिस ने पकड़ा पौने 8 करोड़ का 'तैरता सोना'

मुंबई। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को पौने 8 करोड़ के ऐंबरग्रीस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। करीब एक हफ्ते पहले ही क्राइम ब्रांच ने तीन लोगों को ऐंबरग्रीस के साथ गिरफ्तार किया था। ऐंबरग्रीस एक तरह से स्पर्म वेल मछली की उल्टी होती है, जो समुद्र में तैरती हुई पाई जाती है। पिछले एक महीने में देश के बड़े शहरों से ऐंबरग्रीस तस्करी के कई मामले सामने आए हैं। भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत

ऐंबरग्रीस की खरीद-बिक्री गैरकानूनी है। इसी महीने बेंगलुरु पुलिस ने भी 6.7 किलो ऐंबरग्रीस के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया था। मार्केट में इतने ऐंबरग्रीस की कीमत करीब 8 करोड़ से ज्यादा है। पिछले महीने अहमदाबाद पुलिस ने भी तीन तस्करों को करीब 5.3 किलो ऐंबरग्रीस के साथ गिरफ्तार किया था।

क्या होता है ऐंबरग्रीस?

ऐंबरग्रीस ठोस मोम जैसा ज्वलनशील पदार्थ होता है। यह हल्के ग्रे या काले रंग का होता है। ऐंबरब्रीस विलुप्तप्राय हो चुकी स्पर्म वेल की आंतों में पाया जाता है। पानी के अंदर वेल मछलियां ऐसे कई जीव खाती हैं जिनकी नुकीली चोंच और शेल्स होती हैं। इन्हें खाने पर वेल के अंदर के हिस्से को चोट न पहुंचे इसके लिए ऐंबरग्रीस अहम होता है। सूरज और पानी के संपर्क में कई साल तक आने के बाद यह ग्रे, चट्टानी पत्थर में तब्दील हो जाता है। जो ऐंबरग्रीस ताजा होता है, उसकी गंध मल जैसी ही होती है, लेकिन धीरे-धीरे मिट्टी जैसी होने लगती है। इसे निकालने के लिए कई बार तस्कर वेल की जान तक ले लेते हैं।

क्यों इतनी बेशकीमती होती है वेल की उल्टी?: ऐंबरग्रीस की भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों में इसकी तस्करी होती है और ज्यादातर देशों में इसकी खरीद-बिक्री पर सख्त रोक है। भारत में एक किलो वेल वॉमिट की कीमत करोड़ों में है। ऐसे में यह जानना रोचक है कि आखिर वेल की उल्टी इतनी कीमती क्यों होती है? दरअसल इसका इस्तेमाल परफ्यूम इंडस्ट्री में किया जाता है। इसमें मौजूद ऐल्कोहॉल का इस्तेमाल महंगे ब्रैंड परफ्यूम बनाने में करते हैं। इसकी मदद से परफ्यूम की गंध लंबे वक्त तक बरकरार रखी जा सकती है। इस वजह से इसकी कीमत बेहद ज्यादा होती है।

Al-hmn Overseas
We are an Indian based Private Limited Company associated with
Top World Contacting Company KSA, HQ in Delhi.
Required
Fresher & Experiences Candidates for
Kuwait & Saudi Chain
150 SALES HELPER
120 VAN SALESMAN
100 RESRAURANT HELPER
Interview Venue
DELHI,PATNA,BOMBAY,LUCKNOW
alhmnoverseas21@gmail.com,mail2md1989@gmail.com
9717198068 | 9717198069 | 9650976031
Md Ejazuddin (Business Head) India

शबाना आजमी ने शराब आपूर्ति प्लेटफॉर्म पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया

मुंबई। अभिनेत्री शबाना आजमी ने शराब की आपूर्ति करने वाले एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उनके साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी है। शबाना (70) ने अपने ट्वीट में दावा किया कि उन्होंने 'लिविंग लिक्विड्ज' पर ऑर्डर दिया था और उसका भुगतान भी कर दिया था, लेकिन सामान उन तक नहीं पहुंचाया गया। अपने ऑर्डर के लिए किए गए भुगतान से जुड़ी जानकारियां साझा करते हुए उन्होंने लिखा, सावधान मेरे साथ उन्होंने धोखाधड़ी की है। 'लिविंग लिक्विड्ज' को मैंने भुगतान कर दिया लेकिन ऑर्डर की गई वस्तुएं नहीं भेजी गई, और तो और उन्होंने मेरा फोन उठाना भी बंद कर दिया। अभिनेत्री ने यह नहीं बताया कि उन्होंने कितने रुपए का भुगतान किया था। उन्होंने यह जानकारी भी नहीं दी कि इस बारे में उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई है या नहीं। शबाना से पहले भी अक्षय खन्ना, नरगिस फाखरी और करण सिंह ग्रोवर समेत बॉलीवुड के कई कलाकार ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए सीएम उद्धव ने की बैठक

स्वास्थ्य विभाग को योजना बनाने के दिए निर्देश

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग को कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए सभी जिलों में योजना बनाने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री उद्धव रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सतारा, सांगली, कोल्हापुर और हिंगोली जिलों के कलेक्टरों से बात की और जिलों में कोरोना के मामलों की जानकारी ली। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे भी मौजूद थे। सीएम उद्धव ने कोरोना की तीसरी लहर पर चिंता जताते हुए कहा कि अभी किसी भी तरह की ढील देनी जल्दबाजी होगी। हालांकि जिलों के लिए अलग-अलग स्तर की पाबंदियां तय की गई हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन को वास्तविक स्थिति

के आधार पर प्रतिबंधों को लेकर फैसला करना है। सीएम उद्धव ने जिलाधिकारियों से कहा कि अगर क्षेत्रों में भीड़ होती है, तो संक्रमण बढ़ सकता है और स्थिति खराब हो सकती है। अपने शहर या जिले में संक्रमण का अध्ययन करें और ढील देने में जल्दबाजी न करें। मुख्यमंत्री ने कोरोना की तासरी लहर की चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग को दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन, दवाओं एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति करने का भी निर्देश दिया। इस बीच राज्य के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने कहा कि उपरोक्त सात जिलों की स्थिति चिंता का विषय है। इनमें से तीन जिले कोंकण में, तीन पश्चिमी महाराष्ट्र में और एक मराठवाड़ा में हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर टेस्टिंग, ट्रेसिंग और टीकाकरण पर जोर दिया जा रहा है और इस संबंध में जिलों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुख्य सचिव ने आरटी-पीसीआर टेस्टिंग को बढ़ाने और मलिन बस्तियों में रोकथाम के उपायों को और सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए।

तीन फैशन डिजाइनर ईडी के रडार पर

■ नई दिल्ली

संवाददाता

■ मनी लांड्रिंग एक्ट में फंसे पंजाब के एक विधायक से कथित तौर पर लाखों रुपए की पेमेंट नगद में लेने का मामला

केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर तीन ऐसे फैशन डिजाइनर आ गए हैं जो देश में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अब चर्चा उनके फैशन को लेकर नहीं वल्कि एक नेता के साथ हुए लाखों रुपए के लेनदेन, टैक्स चोरी समेत अन्य आरोप से जुड़े मसले हैं। जांच एजेंसी आरोपियो से पूछताछ कर रही है।

ईडी के सूत्रों के मुताबिक फैशन डिजाइनर रितु कुमार, सव्यसाची और मनीष मल्होत्रा से जल्द ही ईडी पूछताछ करने वाली है। मामला भ्रष्टाचार से जुड़े एक आरोपी के द्वारा लाखों रुपए के लेनदेन से जुड़ा हुआ है लिहाजा इसी मामले में जल्द ही जांच एजेंसी द्वारा पूछताछ की जाएगी। ईडी इन फैशन डिजाइनर से और उनकी कंपनी के कुछ अधिकारियों को पूछताछ का नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित मुख्यालय में वुला सकती है। उसके वाद आगे की तफ्तीश में कई अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है।

सूत्रों की अगर मानें तो पंजाब के एक विधायक से जुड़ा हुआ यह मामला है, जिसके खिलाफ केन्द्रीय जांच एजेंसी ईडी ने मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। उसी मामले में तफ्तीश के दौरान कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज ईडी के हाथ लगे हैं। इस दस्तावेजों के मुताबिक उस विधायक के यहां कुछ साल पहले वहुत ही धूमधाम से शादी हुई थी। उसी शादी में जो इन तीनों फैशन डिजाइनर के कपड़े खरीदे और डिजाइन करवाए गए थे। इसके लिए उन तीनों को उनके पैसों का भुगतान कर दिया गया था लेकिन उन तीनों फैशन डिजाइनर को लाखों रुपए का नकद में भुगतान या उसका पेमेंट किया गया। तीनों फैशन डिजाइनर पर लाखों रुपए के पेमेंट नगद में लेकर कहीं न कहीं इनकम टैक्स के नियमों का उल्लंघन करने और इनकम टैक्स चोरी करने का आरोप लगा है। इस मसले पर ईडी के सूत्रों से जब आरोपी विधायक के वारे में और उसके पुराने मामले के वारे में जव पूछताछ की गई तो औपचारिक तौर पर उनका नाम और उससे जुड़े पुराने मामलों की जानकारी साझा नही की गई लेकिन सूत्र ने यह जरूर स्पष्ट कर दिया की आरोपी विधायक के खिलाफ पहले से ही एक अन्य मामले में ईडी की टीम तफ्तीश कर रही है। पहले वाला मामला मनी लॉड्रिंग से जुड़ा हुआ है। उसी मामले की तफ्तीश में जांचकर्ताओं को फैशन डिजाइनर को लाखों रुपए नकद भुगतान करने संवंधित सवूत मिले थे लिहाजा यहां अब एक नया मामला सामने आता हुआ दिख रहा है। जांच एजेंसी के सूत्रों की अगर मानें तो इनकम टैक्स विभाग की टीम जल्द ही पंजाब में रहने वाले उस विधायक और देश के चर्चित फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, सव्यसाची, रितु कुमार और उससे जुड़े कंपनी के खिलाफ टैक्स चोरी का मामला इनकम टैक्स विभाग दर्ज कर सकता है। लेकिन इस मामले में ये देखना लाजमी होगा की ईडी कब तक इस मामले में आरोपी विधायक सहित अन्य आरोपियों का वयान दर्ज करने व अपनी तफ्तीश के वाद कव उन तमाम दस्तावेजों और सवूतों को इनकम टैक्स विभाग के साथ साझा करेगी।

पालघर में भूकंप के झटके, घर से बाहर भागकर लोगों ने बचाई जान

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में गुरुवार सुबह तकरीबन 11:57 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गयी। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल गए थे। मायानगरी मुंबई से पालघर की दूरी महज 120 किलोमीटर के आसपास है। महाराष्ट्र के आदिवासी जिले के रूप में भी इसे जाना जाता है। पालघर जिले में अक्सर भूकंप आने की खबर अब आम हो गई है। जिले के कुछ इलाकों में तो कभी कभी जमीन में कंपन भी महसूस की जाती है।

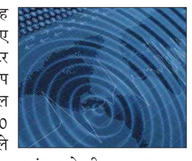

भूकंप आने की वजह

वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती की सतह कई परत में बंटी होती है। जिनमें प्लेट्स होती हैं। जब ये प्लेट्स एक दूसरे से टकराती हैं तब भूकंप आता है। हालांकि ये प्लेट्स एक दूसरे से जुड़ी होती हैं।

'महाराष्ट्र में 13 हजार से अधिक कैदियों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया'

मुंबई। महाराष्ट्र में 13 हजार से अधिक कैदियों को अभी तक कोविड-19 का टीका लगाया जा चुका है और जेलों में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में काफी कमी आई है। यह जानकारी राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय को दी। उच्च न्यायालय ने कहा कि कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों से जेलों में 'काफी सुधार' हुआ है। महाधिवक्ता आशुतोष कुंभकोणी ने मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ से कहा कि राज्य के 47 जेलों में वर्तमान में 23,372 कैदी हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से 13,567 कैदियों को कोविड-19 का टीका लगाया जा चुका है। इन जेलों में 3641 कर्मचारियों का भी टीकाकरण किया गया है। कुंभकोणी ने अदालत से कहा कि जेल विभाग ने कैदियों की भीड़भाड़ कम करने के लिए राज्य के उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू किया है और 2700 कैदियों को अंतरिम जमानत दी गई है और 518 कैदियों को आपातकालीन पैरोल पर रिहा किया गया है। पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे इसने इस वर्ष की शुरूआत में कैदियों में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वतः संज्ञान के आधार पर शुरू किया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए उठाए गए कदमों से जेलों में 'काफी सुधार' हुआ है। इसने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 22 जुलाई तय की।

fresh &easy
GENERAL STORE
ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara
Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

धाड में गुटखा की अवैध बिक्री, अपराध दर्ज

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। प्रतिबंधित गुटखा जोरो बिक रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन और पुलिस द्वारा पूर्व में किए गए विभिन्न संयुक्त अभियानों में यह बात सामने आई है। इसके अलावा 23 जून को स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि बुलडाना तालुका के धाड में दो स्वीट मार्ट में गुटखा अवैध रूप से बेचा जा रहा है। छापेमारी के दौरान 85,000 रुपये की बड़ी मात्रा में अवैध गुटखा जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली धाड बस्थानक के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में एक मिठाई की

दुकान कई दिनों से अवैध रूप से बिक रही है। इसके चलते 23 जून की दोपहर में इंस्पेक्टर दिनेश झांबरे के मार्गदर्शन में सहाय्यक पोलीस निरीक्षक निलेश अपसुंदे, पीएसआय गजानन मुंडे, सागर पेंढारकर अपने स्टाफ के साथ दोनों दुकानों पर रेड कर के आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की।दोनों आरोपियों शाहिद शाहिद सलीम (मदीना स्वीट मार्ट) और आकाश शांताराम शीर्षस्थ (संत कृपा स्वीट मार्ट) के पास से 67,825 रुपये और 16,620 रुपये मूल्य का गुटखा और पान मसाला जब्त किया गया। मामले के दोनों आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और उन पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

बुलडाणा में समता परिषद की ओर से रास्ता रोको आंदोलन

बुलडाणा। ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण को अक्षुण्ण रखने के लिए राज्य सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद की ओर से जिलाध्यक्ष दत्ता खरात के नेतृत्व में 24 जून को त्रिशरण चौक बुलढाणा में रास्ता रोको आंदोलन आयोजित किया गया। रास्ता रोको आंदोलन के दौरान आरक्षण हमारा अधिकार है, किसी के बाप का नहीं, ऐसे जोरदार घोषणा बाजी की गई। ईस के बाद कलेक्टर के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धवजी ठाकरे को एक निवेदन भेजा गया। निवेदन मे कहा गया है कि एक रिट याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पंचायत राज में ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण को खतरा पैदा कर दिया है। इसका बहुत बड़ा असर हो रहा है। इससे राज्य भर की ग्राम पंचायतों, पंचायत समिति, जिला परिषदों, नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं और नगर निगमों में ओबीसी के लिए आरक्षित करीब 56,000 सीटें प्रभावित हो रही हैं। नतीजतन, राज्य भर में ओबीसी में असंतोष फैल गया है। बोर्ड आयोग और 73वें और 74वें संशोधन ने ओबीसी को विभिन्न स्तरों पर आरक्षण दिया है। इसलिए, ओबीसी का आरक्षण कानूनी है और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है। ओबीसी वर्ग के वंचित वर्गों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पंचायत राज संस्था में पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त करने की आवश्यकता है। वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए, राज्य सरकार को ओबीसी के 27% आरक्षण की रक्षा के लिए तत्काल और उचित कार्रवाई करनी चाहिए, अन्यथा पूरे राज्य में तीव्र आंदोलन होगा। इस निवेदन पर दत्ताभाउ खरात, सदानंद माळी, ॲड जयश्रीताई शेळके, ॲड. ज्योतीताई ढोकणे, अनंता लहासे, श्रीकानंद डागे, निलेश तायडे, आशिष लहासे, रवि आप्पा तोडकर, संतोष लोखंडे, श्रीकांत जाधव, विठ्ठल जाधव, संतोष काळे, भराड, वैभव लाड, सैय्यद अन्सार, गणेश मोहीते, रितेश चौधरी, अनिल कोळसे, गणेश बोचरे, सुरेश जाधव, विजय खरात, गणेश भराड, प्रकाश निकम, तोलाजी जाधव, ओम मगर, राजेश मोहाळे, शंकर गिर्हे, संजय चौगुले, दत्ता निकम, शुभम मोहाळे, फकीरा भराड, गजानन सोनवने, दिपक मगर, गजानन वानखेडे, अमोल निकम, विजय डोईफोडे, मनोज पवार, विशाल वाघ, प्रविण वाघ, योगेश रोजे आदी के हस्ताक्षर हैं।

समस्तीपुर हलचल

बढ़ते अपराध के खिलाफ वामपंथी दलों ने निकाला शहर में जुलूस, नारों से गूंजा शहर

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में माकपा कार्यालय एवं विधायक अजय कुमार पर अपराधी हमला के खिलाफ बढ़ते अपराध के खिलाफ पूर्ण सुरक्षा की गारंटी सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर माकपा कार्यालय से हजारों कार्यकर्ताओं का जुलूस निकला जो शहर के विभिन्न मार्गो होते हुए समाहरणालय पहुंचा जहां, गंगाधर झा की अध्यक्षता में सभा को संबोधित करते हुए माकपा केंद्रीय कमिटी सदस्य अरुण कुमार मिश्रा, राज्य सचिव मंडल सदस्य विधायक अजय कुमार, ललन चौधरी, रामपरी, भोला प्रसाद दीवाकर, रामाश्रय महतो, मनोज कुमार, सुनील

रामदयाल भारती, विधायक सत्येंद्र यादव, मनोज कुमार गुप्ता, सत्यनारायण सिंह, सीपीआई जिला मंत्री सुरेंद्र प्रसाद मुन्ना, कांग्रेस जिला अध्यक्ष मो अबु तमीम, नीलम देवी, महेश कुमार, उपेंद्र राय, भोला राय, रघुनाथ राय, राम सागर पासवान, सिया यादव, श्याम किशोर कमल, मिथिलेश सिंह, संजीव कुमार शम्भु, राम पुकार महतो लाला प्रसाद विश्वनाथ महतो ए हादी, कृष्ण कुमार सिन्हा, राजगीर यादव, दिनेश पासवान, छात्र नेता अवनीश कुमार, संजय कुमार, सुबोध कुमार, बब्लू कुमार आदि वक्ताओं ने संबोधित करते हुए इस घटना में टालमटोल करने वाले जिला प्रशासन को घोर निंदा करते हुए चेतावनी दिया इस घटना में तमाम अपराधियों को अविलंब गिरफ्तारी की जाय अन्यथा आंदोलन और तेज किया जाएगा। अंत में जिला अधिकारी से 5 सदस्य प्रतिनिधि मंडल मिलकर मांग पत्र सौंपा।

एटीएम से करोड़ों रुपए गबन करने के आरोप में पुलिस ने तीन कर्मी को किया गिरफ्तार

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बेगुसराय जिले के सीएमएस शाखा के प्रबन्धक पद पर कार्यरत राजेश कुमार ने नगर थाना पुलिस से लिखित शिकायत दर्ज करा कर कहा था कि समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर अंदाहा निवासी मो0 हबीब का पुत्र मो0 इस्लाम, उजियारपुर थाना क्षेत्र के चांद चौड़ निवासी अनिल कुमार गुप्ता का पुत्र आशीष कुमार एवं नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत डीआरएम ऑफिस काली मंदिर के निकट रहने वाले अशोक कुमार सिंह का पुत्र दिवाकर कुमार मिलकर दो करोड़ 70 लाख 28 हजार रुपया का गबन किया है। राजेश कुमार ने कहा है कि सीएमएस इन्फो सिस्टम लिमिटेड जो कि कैश रिप्लेसमेंट एजेंसी सी आर ए के रूप में पूरे देश में कार्यरत है। हमारी कम्पनी सरकारी एवं गैर सरकारी बैंकों के विभिन्न एटीएम में कैश डालने / लोडिंग एवं मशीन खराब होने पर प्राथमिक अनुरक्षण एवं संरक्षण का कार्य करती है। शिकायत मिलने पर समस्तीपुर की पुलिस ने तीनों आरोपित को बारी बारी से छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तीनों लोगों के पास से पुलिस ने तीन लाख सैंतीस हजार रुपया, एक सोने का चैन, एक अंगूठी, एक सोने के हाथ का कड़ा, ग्यारह एटीएम कार्ड, दर्जनों चेक बुक और दो मोबाईल बरामद किया गया। इसकी पुष्टि नगर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में सदर डीएसपी प्रीतीश कुमार ने की। उन्होंने बताया कि गबन किए गए रुपए में से नौ लाख पैंतिस हजार रुपया के करीब अपने परिचितो को सुद पर दिया है। डीएसपी ने बताया कि मो0 इस्लाम ने 70 लाख की जमीन अपनी पत्नी शबनम खातून के नाम से खरीदा है। तीस लाख रुपया अपने पिता के इलाज में खर्च किया जो कैंसर से पीड़ित थे। पुलिस और मीडिया कर्मियों के सामने मो0 इस्लाम ने एक करोड़ से कम गबन करने की बात स्वीकार भी की। इस्लाम ने पैसा वापस भी करने का वादा किया। सदर डीएसपी ने बताया कि सी एम एस कैश भेजने प्रांत सिस्टम यह कम्पनी बड़ी वित्तीय संस्था जैसे बैंक, मॉल आदि से सुरक्षित जमा

करने सम्बन्धित बैंक से उसके एटीएम में पैसे डालने का काम करती है। जिसमें दिवाकर सिंह प्रमुख है तथा आशीष कुमार और मो इस्लाम वैन से एटीएम में पैसा जमा करने का काम करता है। प्रेस वार्ता में सदर डीएसपी प्रीतीश कुमार, नगर थाना अध्यक्ष अरुण कुमार राय, चितरंजन ओझा आदि मौजूद थे।

मधुबनी हलचल

मधुबनी शहर गांव के धान सब्जी के बिज गलने से किसान बदहवासः राम सुदिषट यादव

मधुबनी। मधुबनी जिला के रहिका प्रखण्ड अन्तर्गत नजीरपुर पंचायत में इस एक महिना से बेमोसम और सीजनल मूसलाधार वारिश से सैकड़ों एकड़ में सब्जी फसल का भारी नुकसान हुआ है। इस गांव के सब्जी उत्पादक मेहनतकश किसान एवं समाजसेवी मो शोएव अख़्तर ने बताया कि हम सब्जी उत्पादक लोग गांव घर के धनी मानी लोगों से कर्ज.लेकर खेती करते है। फसल के क्षति हो जाने से हम किसान लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब हो गई हैं। हम किसान लोगों को सरकार फसल क्षति केलिए अनुदान दें। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव राम सुदिष्ट यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मधुबनी जिला के विभिन्न प्रखंडों में सब्जी उत्पादको को भारी नुकसान हुआ है। इसलिए बिहार सरकार से अनुरोध है कि इन किसानों को जाचों उपरांत फसल क्षति पूर्ति हेतु अनुदान दिया जय। मो मुमताज आलम जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी मधुबनी बिहार। ने बताया कि लगातार हो रही तेज बारिश से धान सब्जी के बिज नुकसान हो चुका है खेत में पानी भरा होने से धान सब्जी के बिज गल गइ है अब केसे खेत में रोपनी होगी लगातार बारिश होने से हरी सब्जियां टमाटर, बैगन,और धान वगैरा की फसल नष्ट हो गइ है मोसम की मार से शहर और गाँव के किसान बदहाल हो गया है शहर और गाँव में किरषि बिभाग के अफसरों और कर्मचारियो का किसानों का सहयोग नहीं मिल रहा है योजनाओं के नाम पर खाना पुरती कि जा रही है।

राजस्थान हलचल

मानव सेवा समिति द्वारा गांव डंगरखेड़ा में सफाई अभियान चलाया गया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। समाजसेवी संस्था मानव सेवा समिति द्वारा समाज भलाई के अनेक प्रकार के सेवा कार्य किए जा रहे हैं जिसके तहत आज संस्था के सेवादारों द्वारा गांव डंगर खेड़ा के बस अड्डे वाली सड़क पर आस पास की झाड़ियां काट कर सफाई अभियान चलाया गया तथा पंछियों के लिए लटकाए गए बर्तनों में पानी डालने की सेवा की गई। जानकारी देते हुए संस्था के सेवादार सुभाष मानव ने बताया की गांव डंगर खेड़ा में हर अमावस पर बसंती माता के मंदिर में मेला लगता है जिसमें काफी दूर-दूर से लोग दर्शनों के

लिए आते हैं, इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज की सेवा संस्था की शाखा की महिला प्रधान सुनीता देवी की अगुवाई में शाखा डंगरखेड़ा तथा अबोहर के सेवादारों द्वारा सांझा अभियान चला कर बड़े पैमाने पर सफाई सेवा की गई तथा पंछियों के लिए लटकाए गये बर्तनों में पानी डालने की सेवा की गई। सेवा में संस्था की शखा के सेवादारों ओम प्रकाश, सुमित कुमार, राहुल कारगवाल, सतपाल, धर्मपाल, सोहन लाल, मोहित करगवाल, राजपाल कारगवाल, रोहित कुमार, किरण पेंटर, आकांक्षा देवी, निर्मला देवी, कांता देवी, प्रीति, अंजू रानी, सलोचना देवी, माया देवी, ज्योति देवी और प्रधान सुनीता देवी तथा संस्था के मुख्य दफ्तर अबोहर के सेवादारों संजय मानव, दविंदर सिंह रावत, रोशन लाल, रामकुमार, बलविंदर, अंकिता और सुभाष मानव द्वारा सेवा की गई।

ईसीबी को बीटीयू का संघटक कोलेज बनाने की घोषणा, सार्थक नही

बीकानेर। राजस्थान सरकार ने बजट 2021-22 मे 12 सोसायटी ईजीनियरिग कोलेजो को आरटीयू व बीटीयू का संघटक कोलेज बनाने की घोषणा की है मुख्यमंत्री की यह घोषणा विधि विरूद्ध है यूजीसी - आरटीयू व बीटीयू एक्ट की धारा 6 (3) के तहत सरकारी कोलेजो को संघटक कोलेज बनाये जाने का प्रावधान है - विदित रहे पूर्व भी सीईटी कोलेज को बीटीयू का संघटक कोलेज बनाये जाने की कार्यवाही की जा चुकी है - सीईटी कोलेज को आज तक वित्तीय सहायता नही मिली है - एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि सीईटी व ईसीबी कोलेजो मे असिस्टेंट प्रोफेसरो की नियुक्तिया एम पी पुनिया पूर्व प्राचार्य ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र व फर्जी शैक्षणिक दस्तावेजो के आधार पर की थी - जिनका आज तक सत्यापन नही हुआ है - ईसीबी कोलेज व सीईटी कोलेजो की हालत नाजुक है जिसका मुख्य कारण फर्जी तरीके से नियुक्तिया - गबन घोटाले व वित्तीय अनियमितता है- केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा यूजीसी की ग्रेडिंग मे सीईटी व ईसीबी कोलेजो का निम्न स्तर रहा है इस कारण से अनुदान प्राप्त करने मे भी परेशानी है हद तो तब हो गई जब विश्व विद्यालय की ग्रेडिंग मे सीईटी व ईसीबी ने हिस्सा ही नही लिया।तत्कालीन कुलपति प्रो. एच डी चारण केवल अपने नीजि स्वार्थ के लिए ही पदस्थापित रहे - बीकानेर जिले मे उच्च शिक्षा का स्तर दयनीय है जब उच्च शिक्षा मन्त्री व एक अन्य कबीना का प्रतिनिधित्व प्रभावशाली भी गृह जिले के पास है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्किन को रखना हैं टैन फ्री तो फॉलो करें ये 4 आसान टिप्स

चिलचिलाती धूप में आप खुद को कितना भी कवर क्यों ना कर लें आपकी स्किन टैनिंग की शिकार हो ही जाती हैं। टैनिंग होगी तो स्किन का ग्लो गायब हो जाएगा और डलनेस साफ दिखाई देने लगती है लेकिन इस बात के लिए आप रोज - रोज पार्लर भी नहीं जा सकती ऐसे में कुछ घरेलू ब्यूटी टिप्स आपके बहुत काम आते हैं। इसमें आपके ना तो ज्यादा पैसे खर्च होते हैं और ना ही समय की बबार्दी होती हैं। ऐसा ही गजब के ब्यूटी सीक्रेट्स आज हम आपको बताने जा रहे हैं जिसे अगर आप रोजाना अप्लाई करेंगे तो स्किन टैनिंग भी नहीं होगी और चमक भी बरकरार रहेगी।

1. खीरा

खीरे को कद्दुकस करें और आधा चम्मच दूध या मिल्क पाऊडर इसमें अच्छे से मिलाएं। इसमें आप नींबू के रस की कुछ बूंदें डाल सकते हैं। इस पेस्ट को टैनिंग वाली जगह पर लगाएं और सूखने तक का इंतजार करें। सामान्य पानी में इसे धो लें। हफ्ते में ऐसा एक बार जरूर करें।

2. मेकअप रिमूव करके सोएं

बहुत सारी लड़कियां सुबह मेकअप करती तो हैं लेकिन रात को स्किन साफ करना भूल जाती हैं। अगर आप ग्लोइंग और फ्रैश स्किन चाहती हैं तो गंदी और मेकअप वाली स्किन को साफ करना ना भूलें।

3. अच्छी डाइट

डाइट अच्छी और हेल्दी होगी तो स्किन अपने आप हैल्दी रहेगी। पत्तेदार सब्जियां फलों का ज्यादा सेवन करें क्योंकि इसमें भरपूर फाइबर मौजूद होता है जो रोगों से लड़ने की क्षमता रखता है। यह कई प्रकार के कैंसर से लड़ने में मददगार होता है। फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, एवोकाडो, गाजर जैसे फल और सब्जियां जरूर खाएं।

4. हाइड्रेट के लिए पीएं खूब सारा पानी

बॉडी को सिर्फ बाहर से ही साफ ना रखें। बल्कि अंदरूनी गंदगी साफ करना भी बहुत जरूरी हैं। इसके लिए खूब सारी पानी पीएं। यह शरीर से जहरीले टॉक्सिन को बाहर निकालता हैं जिससे स्किन ग्लोइंग और साफ हो जाती है।

आम को फलों का राजा कहा जाता है। गर्मीयों में आम खाना सभी बहुत पसंद करते हैं। मिठास से भरा रसीला आम खाने में टेस्टी होने साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर, पोटेशियम, मैग्निशियम, विटामिन बी-6, विटामिन ए और विटामिन सी आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें कोलेस्ट्रोल और सोडियम की मात्रा भी कम होती है जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आम खाने से किन-किन रोगों से बचा जा सकता है।

1. हाई ब्लड प्रेशर- आम हाई ब्लड प्रेशर रोगी के लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि इसमें पोटेशियम और मैग्निशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो उच्च रक्तचाप के नॉर्मल करने में मदद करता है।

2. वजन बढ़ाए- दुबले-पतले लोगों के लिए आम का सेवन काफी अच्छा है। आम में कैलोरी और स्टार्च काफी मात्रा में होती है जो वजन बढ़ाता है।

3. पाचन शक्ति करें मजबूत- आम खाने से शरीर में पेट की समस्याएं अपच और एसीडीटी खत्म होती है और यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है।

4. एनिमिया- आम में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी बहुत जल्दी पूरी हो जाती है और एनीमिया जैसी बीमारी से बचा जा सकता है।

5. दिमाग करें तेज- मस्तिष्क को स्वस्थ और तेज करने के लिए आम का फल बहुत कारगार उपाय है क्योंकि इसमें विटामिन बी6 भरपूर मात्रा में होता है।

6. डायबिटीज- आम का फल मीठा होने के कारण कुछ लोगों का मानना है कि डायबिटीज के रोगी को इसका सेवन नहीं करना चाहिए लेकिन ऐसा मानना बिल्कुल गलत है। आम का फल ही नहीं इसके पत्ते भी डायबिटीज रोगी के लिए फायदेमंद होते हैं।

7. आंखों के रोग करें दूर- रतौंधी व आंखों में ड्राइनेस से राहत पाने के लिए रोजाना मैंगों जूस पीएं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

8. लू से बचाए- गर्मियों में कच्चे आम के जूस में पानी मिला कर पीने में शरीर को ठंडक मिलती है और यह शरीर को गर्म लू से भी बचाता है।

नेल पेंट लगाती है तो आपको जरूर पता होने चाहिए ये Tricks

लड़कियों को अपने ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की काफी चिंता होती है। अगर किसी फंक्शन में जाना हो तो कुछ दिनों पहले ही मेकअप प्रॉडक्ट्स खरीद लाती है, ताकि उस दिन किसी तरह की कोई टेंशन न हो। परन्तु कई बार इतनी तैयारियां करने के बावजूद भी कोई न कोई कमी रह ही जाती है। आइलाइनर हो या लिपस्टिक को लेकर दिक्कत आती है तो ब्यूटी से जुड़ी कई ट्रिक्स अपनाते है। अगर आप भी तैयार होते समय अपना समय बचाना चाहती है तो आज हम आपको छोटे-छोटे ब्यूटी हैक्स बताएंगे, जो आपकी रूटीन लाइफ में जरूर काम आएंगे।

1. जाम हुई नेल पॉलिश

अगर आपने किसी फंक्शन में जाना हो और नेल पॉलिश जाम हो जाती है। ऐसे में रूई की मदद से नेलपॉलिश के किनारों पर बोतल के टॉप पर वैसलीन लगाएं। इससे नेल पॉलिश जाम नहीं होगी और आसानी से खुल जाएगी।

2. नेल पॉलिश कैप

नेल पॉलिश की कैप जाम हो गई हो जाए तो एक ग्लास में गर्म पानी ले। फिर नेल पॉलिश को कैप समेत उस पानी में रखें। ध्यान रखें कि नेल पॉलिश पानी में ना डूबे। कुछ मिनट बाद इसे पानी से निकाल लें। फिर कैप को खोले।

3. टेप से नेल आर्ट

अगर आप किसी फंक्शन में जाने के लिए नेल आर्ट करना चाहती है और आपके पास समय भी कम है तो अपनी पसंद का कोई भी कलर लगाए। फिर ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का टॉप कोट लगाए। पूरी तरह सूखने के बाद टेप को नाखूनो पर चिपकाएं और अपनी पसंद का कोई भी नेल आर्ट करें।

4. नेल पॉलिश फैलने से रोंके

अगर नेल पॉलिश लगाते समय नाखूनों पर इधर-उधर फैल जाती है तो नाखून के चारों तरफ के आस-पास की स्किन पर वैसलीन की एक

पतली लेयर लगाए। फिर अपनी पसंद की कोई भी नेल पॉलिश लगाए।

5. एयर बबल्स नेल पॉलिश

अगर नेल पॉलिश में एयर बबल्स नहीं बनने देना चाहती तो उसे हिलाने के बजाए हथेलियों में लेकर आगे-पीछे घूमाएं। इससे नेल पॉलिश में एयर बबल्स नहीं बनेंगे।

6. नाखूनों को टूटने से बचाए

नाखून बार-बार टूट जाते हैं तो हमेशा नेल पॉलिश के बेस कोट की दो कोट्स लगाएं। पहला कोट नाखूनों के ऊपरी हिस्से और किनारों पर लगाए। दूसरा कोट पूरे नाखून पर लगाए।

7. जिद्दी नेल पॉलिश हटाए

अगर नेल पॉलिश जल्दी से हटने का नाम नहीं लेती है तो रूई में नेल रिमूवर नाखूनों को अच्छी तरह कवर करे। अब फॉयल से रूई को पूरी तरह ढककर दबाए। फिर कुछ मिनट बाद हाट लें। इससे नेल पॉलिश आसानी से उतर जाएगी।

8. नाखूनों का ऑयल

अगर नाखूनों में ऑयलनेस या गंदगी ज्यादा है तो नेल पेंट लगाने से पहले सिरके वाले पानी में डुबोकर रखें। इससे नेल पेंट लगाने में आसानी होगी और लंबे समय तक टिकी रहेगी।

बच्चों को क्यों नहीं देनी चाहिए चाय ?

ज्यादातर बच्चों को दूध पीना बिल्कुल पसंद नही होता। वह दूध को देखकर ही मुंह बनाने लगते हैं। बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए माएं बच्चो के दूध में 2 तीन-बूंद चाय मिलकर दे देती हैं। जो कि गलत है। दूध में एक भी बूंद चाय मिलाने से दूध के फायदे खत्म हो जाते हैं। इससे बच्चे को कई नुकसान होते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को चाय देती हैं तो उससे बच्चे का शारिरीक विकास ठीक से नहीं हो पाता। आज हम आपको यही बताएंगे कि चाय पीने से बच्चों पर बुरा असर कैसे पड़ता है तो आइए जानते हैं उसके बारे में।

चाय की लत क्यों लग जाती है

रोजाना बच्चों को चाय देने से आगे चलकर उनको लत लगनी शुरू हो जाती है। चाय में कैफिन की मात्रा ज्यादा होती है। जो दिमाग पर नशे की तरह काम करती है। जब एक बार इसकी लत लग जाए तो छुड़वाना मुश्किल हो जाता है।

छोटी उम्र में चाय पीने के कुछ सामान्य साइड-इफेक्ट्स

1. हड्डियों की कमजोरी

चाय पीने से बच्चों की हड्डियां, दांतों में दर्द होने लगता है। आगे चलकर ये दर्द बच्चों के लिए घातक साबित हो सकते हैं।

2. कैल्शियम की कमी

चाय का प्रभाव छोटे बच्चों पर बहुत ही बुरा पड़ता है। चाय पीने से बच्चों के अंदर कैल्श्यिम की कमी हो होने लगती है। इस कैल्श्यिम की से बच्चों को कई समस्याएं होने लगते हैं।

3. ग्रोथ रूकना

चाय पीने से बच्चे की लंबाई बढ़ने से रूक जाती है। इसके साथ ही बच्चे की मांसपेशिया ठीक ढंग से ग्रोथ नहीं कर पाती है। यही वजह है कि बच्चा कमजोर और लंबाई में छोटा रह जाते है।

4. व्यवहार में बदलाव

चाय पीने से बच्चे के व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिलता है। इससे वह किसी भी काम को अच्छे तरीके से नहीं कर पाता। इससे अलवा वह चिड़चिड़ा होने लगता है।

5. नींद पर असर

बच्चों को चाय देने से नींद न आने की समस्या उत्पन हो सकता है। क्योंकि इसमें मौजूद कैफीन बच्चों में बेचैनी और नींद संबंधी विकार पैदा कर सकती है। इससे बच्चों की एकाग्रता और सक्रियता पर असर पड़ेगा। इसके अलावा चाय में चीनी होने की वजह से बच्चों के दांत के खराब हो सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

साउथ के डायरेक्टर ने कीर्ति कुल्हारी को दिया था 'धोखा'

कीर्ति कुल्हारी इन दिनों अपनी फिल्म 'शादीस्थान' को लेकर चर्चा में हैं। कीर्ति बीते दिनों अपने पति साहिल सहगल के साथ अलगाव के कारण भी खूब सुर्खियों में रहीं, वहीं अब ऐक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वह डिप्रेशन का दंश झेल चुकी हैं। यही नहीं, उन्हें डिप्रेशन के दिनों में एक फिल्म से रातों-रात अचानक बाहर कर दिया गया था। कीर्ति कहती हैं कि इसके बाद उन्हें यह लगने लगा था कि यही 'अंत' है। कीर्ति ने पर्सनल लाइफ को लेकर ऐसे खुलासे किए हैं, जिसने उनकी मुस्कुराती सूरत के पीछे छिपे दर्द को बयान किया है। कीर्ति कहती हैं, 'मेरी जिंदगी में एक दौर ऐसा भी आया, जब मुझे लगा कि मैं सबकुछ खो रही हूं। यह 2009 की बात है। मुझे एक साउथ इंडियन फिल्म में काम मिला। उसी दौरान मेरी पर्सनल लाइफ में भी बहुत कुछ हो रहा था। मैं अपने जीवन के सबसे बुरे दौर से गुजर रही थी। मुझे याद है कि मुझे यह फिल्म मिली, मैं फिल्म से जुड़े एक फोटोशूट पर पहुंची। जब मैं वहां से लौटी तो उन लोगों ने फिर मुझे कभी मिलने नहीं बुलाया। न ही कभी शूटिंग करने के लिए कॉल किया।' कीर्ति आगे कहती हैं, 'मुझे फिल्म में रिप्लेस कर दिया गया था। मुझे यह बात तब समझ नहीं आई थी। मुझे नहीं पता कि तब मैं शायद बेवकूफ दिख रही थी, लेकिन तब शायद मैं इस हालत में नहीं थी कि लोग भी इसे देख सके। मुझे रातों-रात फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया। पर्सनल लाइफ में मेरे साथ जो भी हो रहा था, यह उससे अलग था, लेकिन उसी समय पर था। इससे मैं बहुत प्रभावित हुई। मुझे शुरूआत में यही महसूस हुआ कि यही अंत है।' कीर्ति आगे बताती हैं कि जब उनकी मानसिक हालत थोड़ी बेहतर होने लगी, तब उन्हें उम्मीद की किरण नजर आई। इन घटनाओं ने उन्हें आध्यात्म और खुद से खुद को बेहतर बनाने की राह पर आगे बढ़ाया।

कंगना रनौट अब निभाएंगी इंदिरा गांधी का रोल!

कंगना रनौट को अब फिल्मों के साथ-साथ राजनीति में भी मजा आने लगा है और इसका असर अब उनकी फिल्मों पर भी नजर आने लगा है। जयललिता बनने के बाद अब कंगना आगामी फिल्म में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में नजर आने वाली हैं और इसकी तैयारियां उन्होंने शुरू कर दी है। कंगना के मन में इच्छा थी कि वे इंदिरा गांधी का रोल फिल्म में अदा करें और उनकी यह इच्छा अब पूरी होने जा रही हैं। नसीब वाली हैं, हर किसी की हर इच्छा पूरी नहीं होती है। यह बात कंगना ने खुद बताई है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने इस प्रोजेक्ट की जानकारी अपने फैंस के साथ साझा की है इसलिए अगर-मगर का तो सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है कि बताओ मणिकर्णिका फिल्म्स में क्या चल रहा है? तस्वीर के जरिये उन्होंने बताया कि वे इंदिरा गांधी के लुक के लिए बॉडी स्कैन करवा रही हैं।

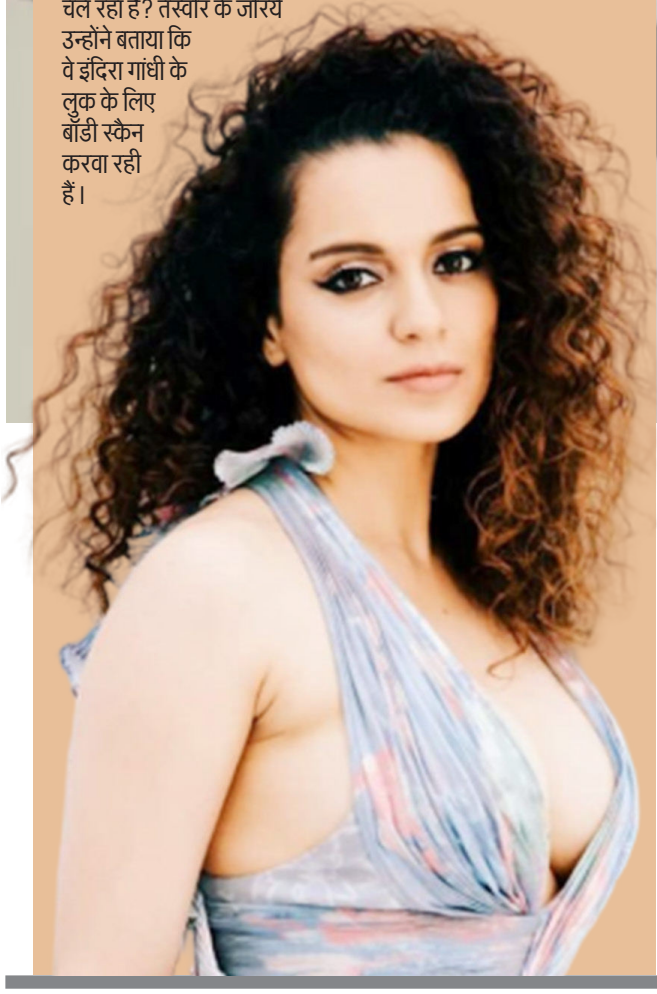

फैंस के के लिए बाहुबली ने ठुकराया करोड़ों का एड

जहां एक ओर कई कलाकर ऐसे हैं जो पैसे की खातिर गुटखा और शराब का विज्ञापन करने में भी नहीं हिचकते जिससे की उनके करोड़ों फैंस के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है, वहीं बाहुबली प्रभास जैसे सुपरस्टार भी हैं जो करोड़ों के विज्ञापन को लात मारने में देर नहीं लगाते। भारत में प्रभास लोकप्रिय नाम है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक उनके फैंस हैं। ऐसे में विज्ञापन कंपनियां उन पर दांव लगाना चाहती हैं। उन्हें अपना ब्रैंड एम्बेसेडर बनाना चाहती हैं। खबर है कि पिछले एक साल में प्रभास को 150 करोड़ रुपए से ज्यादा के ब्रांड एंडोर्समेंट ऑफर मिले, लेकिन प्रभास ने सभी को रिजेक्ट कर दिया। इसके पीछे प्रभास का मानना है कि वे अपने फैंस के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। वे ऐसी किसी चीज का विज्ञापन नहीं करना चाहते जिसके इस्तेमाल में वे खुद कंफर्टेबल महसूस ना करते हों। ऐसा नहीं है कि वे विज्ञापन नहीं करेंगे। लेकिन उन्हीं वस्तुओं का विज्ञापन करेंगे जिसे वे पसंद करते हों। उन्हें पता है कि वे किसी चीज का विज्ञापन करेंगे तो उनके फैंस बिना सोचे समझे फौरन उसका इस्तेमाल शुरू कर देंगे।